अपने मुंह मियांमिट्ठू बनती सरकारी स्वास्थ्य सेवा

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीके अस्पताल को 89 प्रतिशत अंक दिये

फ़रीदाबाद (म.मो.) सरकार अपने अस्पतालों की स्थिति सुधारने की बजाय जनता को भ्रमित करने के लिये प्रोपेगंडा का कैसे सहारा लेती है उसका उदाहरण केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की निरीक्षण टीम द्वारा बीके अस्पताल को दिया गया प्रमाणपत्र है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सरकारी अस्पतालों में अपनाये जा रहे मानकों का निरीक्षण करने के लिये नैशनल क्वालिटी एश्योरेंश स्टैंडर्ड (एनक्यूएएस)की टीम द्वारा किये गये निरीक्षण के दौरान बादशाहखान अस्पताल तय मानकों पर खरा पाया गया। तीन वर्ष पूर्व हुए ऐसे ही एक निरीक्षण में इस अस्पताल को 85 प्रतिशत अंक मिले थे जो अब बढ़कर 89 प्रतिशत हो गए हैं।

निरीक्षण टीम द्वारा बताया गया कि उसने ओपीडी, कैजुअल्टी, ऑपरेशन थियेटर, ब्लड बैंक सहित सभी वार्डों का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने तमाम व्यवस्थाओं को मानकों के हिसाब से संतोषजनक पाया। टीम ने जिस हार्ट सेंटर, डायलेसिस यूनिट व एमआरआई आदि का उल्लेख किया है, उनका अस्पताल से कोई विशेष सम्बन्ध नहीं है। वे तो एक तरह से इस अस्पताल में किरायेदार हैं। ये मरीज़ों से अपनी सेवाओं के बदले पैसे लेते हैं। केवल कुछ मामलों में ही इन्हें स्वास्थ्य विभाग द्वारा फ़ीस अदा की जाती है। ऐसे में एक प्राइवेट सेवादाता की तरह संतोषजनक सेवायें देना इनकी मजबूरी है। यदि बादशाहखान अस्पताल ही 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर रहा है तो राज्य भर के उन अस्पतालों व अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों का क्या हाल होगा जहां अधिकांश समय ताले ही लगे रहते हैं। शायद ही कोई दिन जाता होगा जिस दिन बादशाहखान अस्पताल का कोई न कोई तमाशा अखबारों में न छपता हो। ओपीडी हॉल में मरीज़ों की इतनी भारी भीड़ होती है कि दम घुटने लगता है। एसी के हिसाब से बनाई इस इमारत में एसी तो कभी लगा नहीं और हवा के लिये कोई खिड़की रोशनदान तक छोड़े नहीं। ऐसे में क्षमता से कई गुणा अधिक मरीज़ों के खड़े होने से दम तो घुटेगा ही।

चौड़े में पड़ा बीके अस्पताल का मेडिकल वेस्ट

तीन मंजिला इस बिल्डिंग में लगी एकमात्र लिफ्ट तो कभी-कभार ही चल पाती है। ऐसे में मरीजों को उनके तीमारदार कंधों पर लाद कर ले जाने को मजबूर होते हैं क्योंकि स्ट्रेचर और ब्हील चेयर भी उपलब्ध नहीं होते। बिजली अक्सर फेल रहती है और जनरेटर सेट के लिये डीजल कभी रहता नहीं है। ऐसे में मरीज़ों के ऊपर क्या बीतती होगी इसे तथाकथित निरीक्षण टीम कभी नहीं जानना चाहेगी।

सफ़ाईकर्मियों व अन्य चतुर्थश्रेणी कर्मचारियों को ठेकेदारी में डाला हुआ है। सम्बन्धित ठेकेदार इन्हें लेकर जिस बड़े घोटाले को वर्षों से करता आ रहा है उसे भला यह टीम कैसे जान पायेगी? इन सेवाओं के बदले अनेकों ऐसे लोग वेतन पा रहे हैं जो कभी अस्पताल आते ही नहीं। ऐसे में वे सेवायें कितनी प्रभावित होती होंगी समझा जा सकता है।

निरीक्षण टीम ने यह जानने का भी प्रयास नहीं किया होगा कि यहां पर कितने लोगों का इलाज हो पाता है और कितने लोगों को आगे रेफ़र कर दिया जाता है। आये दिन ऐसे अनेकों साधारण केस रेफ़र कर दिये जाते हैं जिनका इलाज यहां सम्भव हो सकता था। इस तरह के रेफ़र केवल कमीशनखोरी के लिये ही किये जाते हैं।

अभी दो महीने से लैबोरेट्री में ब्लड जांच की मशीन खराब है और सेंपल नहीं लिये जा रहे हैं। बीते दो माह से मरीजों से कहा जा रहा है कि दो-तीन दिन में ठीक हो जायेगा, पता नहीं ये दो-तीन दिन कितने महीनों में पूरे होंगे। जरूरतमंद मरीज बीके से कई गुणा ज्यादा पैसा देकर बाहर से ब्लड जांच करवाते हैं। ऐसा कोई पहली बार नहीं हो रहा यह हर रोज की कहानी है। यदि मशीन ठीक हो गई तो रीजेंट, खत्म हो जाते हैं, रीजेंट आ गये तो कर्मचारी नदारद हैं। लैब में कर्मचारियों की संख्या जरूरत की आधी भी नहीं है और जो हैं भी वे ठेके पर हैं। यह रहस्य भी किसी से छिपा नहीं है कि प्राइबेट लैबोरेट्री वाले सम्बन्धित डॉक्टर को अच्छा-खासा कमीशन भी देते हैं। इसलिये अस्पताल की लैबोरेट्री के बंद रहने से डॉक्टरों को तो लाभ ही होता है। लगभग यही स्थिति अलट्रासाऊंड व एक्सरे कराने वाले मरीज़ों की भी होती है। इन सब बातों के बावजूद अस्पताल की प्रिंसिपल मेडिकल ऑफ़िसर सविता यादव कहती हैं कि उन्हें तो कभी कोई शिकायत नहीं मिली। शिकायत तो तब मिले न जब वह किसी शिकायतकर्ता को अपने कमरे में घुसने दें।

छोटे पुलिसकर्मियों की बढ़ती जायदादों से चिंतित लोकायुक्त

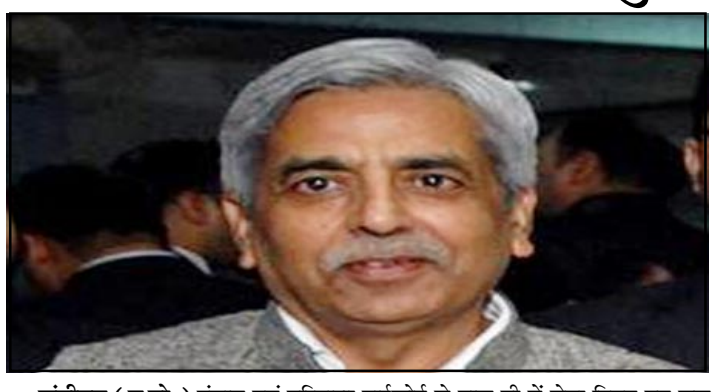

चंडीगढ़ (म.मो.) पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से हाल ही में सेवा निवृत हुए जज, हरीपाल वर्मा ने बतौर लोकायुक्त, हरियाणा सरकार से नई नौकरी प्राप्त कर ली है। उनसे पहले भी इस पद पर कई आये और कई गये लेकिन किसी ने फ़ली नहीं फ़ोड़ी। भ्रष्टाचार दिन दूणा रात चौगुणा बढ़ता गया। लोकायुक्त वर्मा को उच्च आईएएस, आईपीएस अधिकारियों द्वारा मारी जाने वाली मोटी-मोटी डकैतियां तो नज़र नहीं आई, उन्हें नज़र आया तो केवल पुलिस के सिपाहियों व थानेदारों का भ्रष्टाचार। इसकी रोक-थाम के लिये उन्होंने हरियाणा के डीजीपी प्रशान्त कुमार अग्रवाल को किसी आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में एक निगरानी सैल बनाने को कहा है। इसका काम होगा कि वह सिपाही से लेकर डीएसपी स्तर तक के अधिकारियों की निगरानी करे। सैल यह भी जांचेगा कि किस सिपाही ने अपनी चल व अचल संपत्ति में कितनी और कैसे वृद्धि की है?

विदित है कि पुलिस के छोटे कर्मचारी तो कमाते ही अपने बड़े अधिकारियों के लिये हैं। उनके लिये की गई लूट कमाई में से वे तो केवल अपना 'मेहनताना' भर ही रख पाते हैं। वर्मा जी को मालूम तो होगा ही कि पुलिस महकमे में कड़े अनुशासन के चलते छोटा मुलाजिम अपने अफ़सरों की मर्जी के बिना सांस भी नहीं ले सकता, लूट कमाई तो दूर की बात है। पुलिस महकमे के भ्रष्टाचार से यदि वर्मा जी इतने ही चिंतित हैं तो अपना निगरानी कार्यक्रम उच्चाधिकारियों से शुरू करें। सर्वविदित है कि भ्रष्टाचार की गंगा का गंगोत्री तो सदैव शीर्ष पर ही होता है।

पांचवे अंतर्राष्ट्रीय लंदन जाट मेले के नाम पर हरियाणवी संस्कृति आयोजन 2 जुलाई को

फरीदाबाद। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला पांचवां अंतर्राष्ट्रीय लंदन जाट मेला दो जुलाई को होने जा रहा है। जाट समाज यूके के संस्थापक रोहित अहलावत ने बताया कि यहां रह रहे जाट समाज के लोगों द्वारा प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लंदन जाट मेला आयोजित किया जाता है। जिसमें विदेशों में रह रहे जाट परिवार हिस्सा लेते हैं।यह कार्यक्रम हरियाणवी सभ्यता संस्कृति खान पान को बचाए रखने व सभ्यता विकसित करने के लिए किया जाता है जिसमें विदेशों के ही नहीं भारत से भी बड़ी संख्या में लोग भाग लेने जाते हैं।

इस बार छ सौ से ज्यादा गांवों के लोग यहां एक जुट होंगे। मशहूर लोक गायक गजेंद्र फोगाट भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे।लंदन जाट समाज के प्रवक्ता व वरिष्ठ समाजसेवी जसबीर सिंह मलिक ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा से ब्रिटेन में जाने वाले सभी बंधुओं को रोजगार व अन्य कार्यों हेतु मार्गदर्शन में रोहित अहलावत की अगुवाई में जाट समाज यूके द्वारा पूरी मदद की जाती है,किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने में एकजुट हो कर सभी सहायता को तत्पर रहते हैं। विगत सफलतापूर्वक संपन्न जाट मेला कार्यक्रमों में हरियाणा के अनेक मंत्री व विशिष्ट विभूतियां अपनी भागेदारी कर चुके हैं।

मेले में सभी उपस्थित जनों को महापुरुषों के इतिहास से संबंधित समाज साहित्य पुस्तकें भी वितरित की जायेंगी। इस बार जाट मेला का सम्पूर्ण वैश्विक स्तर पर ऑनलाइन प्रसारण भी किया जा रहा है। जाट मेले में फागण,होली,तीज, स्वतंत्रता दिवस,सांझी सहित सभी सांस्कृतिक त्योहार मनाए जाते हैं जिसकी शुरुआत खाप खेड़े के दादा भईया की धोक मार कर पूजा से होती है। अभी हाल ही में जयपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रोहित अहलावत द्वारा की गई सामाजिक सेवाओं के लिए जाट गौरव अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।

मुख्यरूप से जाट समाज यूके की कार्यकारिणी में रोहित अहलावत संस्थापक जाट समाज यूके सहित प्रवीण अहलावत,विक्रम रावत ,संजय देशवाल, विजयंत अहलावत,महिला टीम रेखा लाकडा,अर्चना मान अहलावत विनी देशवाल लंदन जाट मेले के आयोजन की तैयारियों के लिए काफी सक्रिय हैं।

हालांकि, विलायत में रहकर भी एक सांस्कृतिक मेले को जातिवादी नाम देने का आयोजकों का लोभ अजीब ही कहा जायेगा।